भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
मौसम केंद्र,बिरसा मुंडा विमानपत्तन
METEOROLOGICAL CENTRE, BIRSA MUNDA AIRPORT
राँची, झारखण्ड, पिन- 834002
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002
दूरभाष/Telephone: 2970311/2253254/2251709/253879 फैक्स/Fax: 0651-2251709/2253879
Website: http://mausam.imd.gov.in/ranchi/,e-mail: metranchi@gmail.com, mcranchi@rediffmail.com

Years of Service to the Nation
राष्ट्र सेवा के 150 वर्ष

दिनांक: 04.01.2026

प्रेस विज्ञप्ति

विशेष बुलेटिन- 04

झारखण्ड राज्य में घना कोहरा एवं शीत लहर का कृषि पर "प्रभाव आधारित पूर्वानुमान"

(04-01-2026 को जारी पूर्वानुमान पर आधारित)

दिनांक*	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, गुमला, हज़ारीबाग, खूंटी तथा रामगढ)	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ)	उत्तर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा,चतरा, कोडरमा, लातेहार तथा लोहरदगा)	उत्तर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज)
04 जनवरी	राज्य के देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, पाकुर, साहिबगंज, कोडरमा, चतरा , गढ़वा, लातेहार, लोहारदगा, पलामू, हजारीबाग और गुमला जिलों में घना कोहरा देखा जा सकता है।			
05 जनवरी	राज्य के देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, पाकुर, साहिबगंज, कोडरमा, चतरा , गढ़वा, लातेहार, लोहारदगा, पलामू, हजारीबाग और गुमला जिलों में घना कोहरा देखा जा सकता है। राज्य के कोडरमा, चतरा , गढ़वा, लातेहार, लोहारदगा, पलामू, हजारीबाग और गुमला जिलों में कहीं-कहीं शीत लहर चलने की संभावना है।			
06 जनवरी	राज्य के कोडरमा, चतरा , गढ़वा, लातेहार, लोहारदगा, पलामू, हजारीबाग और गुमला जिलों में कहीं-कहीं शीत लहर चलने की संभावना है।			

(बहुत घना कोहरा दृश्यता :50 मीटर से कम, घना कोहरा दृश्यता :200 मीटर से कम(

*(किसी भी दिनांक को जारी पूर्वानुमान अगले दिन के सुबह 0830 भा.मा.स. तक वैध है।)

(घना कोहरा एवं शीत लहर वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है।)

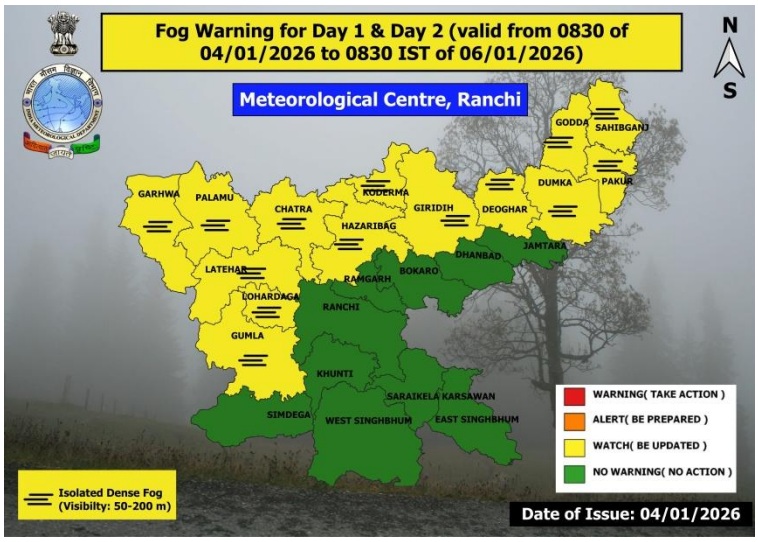

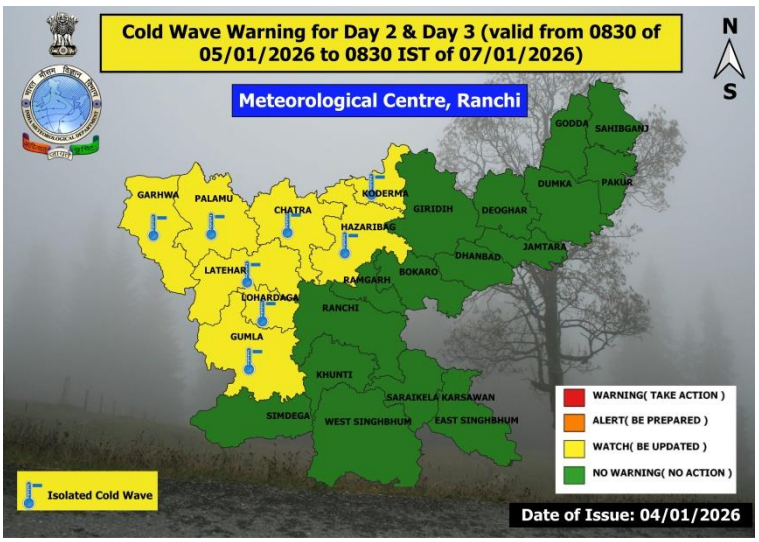

फसल का नाम	शीत लहर के कारण फसल पर सम्भावित असर	बचाव
आलू	अंगमारी प्रभाव(आलू के पत्तियों को नुकसान तथा झुलसन की समस्या)	मेटा लेक्सिन तथा मेनको जैव के मिश्रण के छिरकाव से अंगमारी प्रभाव से बचाया जा सकता है
सरसों	शीत लहर के प्रभाव से लाही मारने की समस्या तथा पौधों पर पाले का प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है	इससे बचाव के लिए थायो यूरिया (500 ppm) तथा घुलनशील गंधक का प्रयोग कर सकते हैं
मवेशी	मवेशी को ठंड लगने की संभावना है तथा नवजात पशु में न्यूमोनिया बीमारी हो सकती है	अलाव जलाकर तथा पशुओं को जूट का बोरा ओढा कर बचाव किया जा सकता है पशुओं के रहने के स्थान पर पुआल का प्रयोग कर तथा खिरकी दरवाजों को जुट के बोरी से ढक कर बचाव किया जा सकता है
सब्जी (कद्दू वर्गीय पौधे)	पौधों में पाले के प्रभाव से फलों तथा पत्तियों में सिकुरण की समस्या हो सकती है	बचाव के लिए मलचिंग (खर-पतवार से ढकना तथा प्लास्टिक से ढकना) का उपयोग प्रभावी है
टमाटर	पाले के प्रभाव से झुलसा रोग लग सकता है	बचाव के लिए शाम के समय सिचाईं कर के पौधों के जड़ में पर्याप्त नमीं बनाये रखें

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची